Class IX Hindi

दो बैलों की कथा (मुंशी प्रेमचंद)

आज साहित्य विशेषकर हिन्दी साहित्य में कथा केन्द्रीय विधा है इस केन्द्रीय विधा की असली शुरुआत मुंशी प्रेमचन्द से ही मानी जानी चाहिए। मुंशी प्रेमचंद द्वारा ही रचित एक महत्वपूर्ण कहानी है दो बैलों की कथा। ये दो बैल हैं हीरा और मोती। कहने तो बैल हैं ये परंतु इनके माध्यम से कहानीकार ने स्वाधीनता आंदोलन का पूरा संघर्ष हमारे सामने उपस्थित कर दिया है। हीरा और मोती दोनों बहुत ही सुंदर बैल उनकी सुंदरता सिर्फ ऊपरी दिखावे की नहीं आंतरिक सुंदरता की बहुत है। साहसी नैतिक आत्मीय होना कायरता की नहीं सबलता की पहचान है। कहानी में कई-कई क्षण आते हैं जब इनकी बातों में कहीं गांधी और कहीं सुभाष की विचारधारा सामने आ जाती है। कहानीकार यथार्थ को रचते हुए आदर्श को भी रचते हैं, हीरा का मोती से यह कहना लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो। इस कहानी में लेखक ने एक कांजीहौस को बड़ी ही कुशलता से सामने लाया है। यह कांजीहौस जहाँ पशुओं को कैद करके रखा जाता है भूखे प्यासे। स्वाधीनता प्राप्ति के पहले पूरा देश तो कांजीहौस ही तो था। कहानी में ऐसा रूपक बुनना उस कथाकार के वश की ही तो बात है जिसे हम कहानी उपन्यास सम्राट प्रेमचंद कहते हैं। इस कहानी में प्रेमचंद चरित्र और प्रतिचरित्र भी रचते हैं। झूरी का प्रतिचरित्र है गया। झूरी की पत्नी की प्रतिचरित्र है। भैरो की बेटी। प्रेमचंद मानव मन के कुशल चितेरा तो है ही वे सहजता और सरलता की प्रतिमूर्ति भी है। दो बैलों की कथा कहानी की भाषा अति सहज और सरल है। कहानी पुरानी किस्सागोई शैली में आगे बढ़ती है और उस समय ही पूरी होती है जब उसका उद्देश्य प्राप्त होता है कि स्वाधीनता सबका जन्म सिद्ध अधिकार है और संघर्ष के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

DAV PUBLIC SCHOOL,DVC,MTPS

CLASS-IX (HINDI)

ASSIGNMENT-1

पाठ- दो बैलों की कथा

प्र.1 दो बैलों की कथा के मुख्य पात्र कौन हैं और ये किनके प्रतीक हैं ?

प्र.2 लेखक ने किस प्राणी को ऋषि-मुनियों की श्रेणी में रखा है और क्यों ?

प्र.3 हीरा-मोती की मित्रता को अपने शब्दों में लिखिए ।

प्र.4 इस कहानी में आए नीति विषयक मूल्यों को लिखिए ।

प्र.5 कंजीहौस का क्या अर्थ है? यहाँ पर पशुयों को कैसे रखा जाता था ?

प्र 6.झुरी और गया के चरित्र की तुलना कीजिए ?

प्र.7 क्या आपको लगता है कि यह कहानी आज़ादी की लड़ाई की ओर संकेत करती है ,कैसे ?

प्र.8 हीरा और मोती ने कब -कब अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए थे ?

प्र.9 किसान जीवन में पशुओं की आवश्यकता क्या है ?

प्र.10 इस पाठ के द्वारा लेखक समाज को क्या संदेश दे रहा है ?

....

Scanned with CamScanner

Class IX HINDI Study Material

पाठ- दो बैलों की कथा

पाठ परिचय - यह कहानी मुंशी प्रेमचंद के द्वारा रचित कहानी है,इस कहानी में दो बैलों के माध्यम से सीधे -सादे भारतीयों के दयालु,परोपकारी,मेहनती रुप को सामने लाया है,परंतु इन्हें अत्याचार सहन करना पड़ रहा है । लेखक ने इस कहानी के द्वारा तत्कालीन परिवेश में चल रहे स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने को प्रेरित किया है ।

प्रमुख चरित्र और उसकी विशेषताएँ-

हीरा -पछाई जाति का सुंदर,सुडौल,मेहनती,सहनशील,सच्चा मित्र,नैतिक मूल्यों को माननेवाला बैल ।

मोती-पछाई जाति का सुंदर सुडौल बैल,काम में होशियार,शक्तिशाली,अत्याचार के प्रति विद्रोही,परोपकारी,दयालु,करुणायुक्त,त्यागी,सच्चा मित्र ।

झूरी -परिश्रमी किसान,जानवरों से प्रेम करने वाला,परोकारी,बैलो के प्रति दयालुता का भाव रखनेवाला ।

गया-झूरी का साला स्वार्थी,अत्याचारी,क्रोधी,पशुओं के प्रति अत्यंत असहिष्णु ।

झूरी की पत्नी-गुस्सैल,स्वार्थी,जानवरों से आत्मीयता नहीं रखनेवाली ।

भैरो की लड़की -दयालु,परोपकारी,शांत,बैलों के प्रति आत्मीय भाव ।

दढ़ियल कसाई - अत्यंत निर्मम कठोर व्यक्ति ।

गधा-बुद्धिहीन जानवर,सहनशील और मूर्ख ।

भाषा-शैली-देशज,आगतशब्दों से युक्त सरल, सजीव ,मुहावरेदार ,लेखक ने पंचतंत्र और हितोपदेश की कथा परंपरा का उपयोग और विकाश किया ।

शीर्षक - इस कहानी का शीर्षक आकर्षक,सांकेतिक और सारगर्भित है ।

Scanned with CamScanner